आमंत्रण पत्र

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

'महाकुम्भ २०२५ : परम्पराः, अनुष्ठानानि च महत्त्वं च'
'महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व'
'Mahakumbh 2025 : Traditions, Rituals and Significance'

फाल्गुन कृष्ण नवमी एवं दशमी, कलियुगाब्द 5126 तद्नुसार 22 एवं 23 फरवरी, 2025 ई.

सेवा में,

.....

.....

.....

प्रेषक :

डॉ. प्रदीप कुमार राव

प्राचार्य/अध्यक्ष,

आयोजन समिति, अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)-273014

www.mpm.ac.in mpmpg5@gmail.com

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

'महाकुम्भ २०२५ : परम्पराः, अनुष्ठानानि च महत्त्वं च'

'महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व'

'Mahakumbh 2025 : Traditions, Rituals and Significance'

फाल्गुन कृष्ण नवमी एवं दशमी, कलियुगाब्द 5126 तद्नुसार 22 एवं 23 फरवरी, 2025 ई.

उद्घाटन

22 फरवरी, 2025 ई. • समय : प्रातः 11:00 बजे से

मुख्य अतिथि

आचार्य मिथिलेशनन्दिनी शरण

महन्त, सिद्धपीठ श्रीहनुमन्निवास धाम

अयोध्या, उत्तर प्रदेश

विशिष्ट अतिथि

प्रो. के. रामचंद्र रेड्डी

आचार्य, रसशास्त्र विभाग, आयुर्वेद संकाय

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

वाराणसी, उत्तर प्रदेश

डॉ. सुबोध कुमार शुक्ल

आचार्य, संस्कृत विभाग

त्रिभुवन विश्वविद्यालय

नेपाल

समारोप

23 फरवरी, 2025 ई. • समय : अपराह्न 12:00 बजे से

मुख्य अतिथि

डॉ. भवातोष विश्वास

पूर्व कुलपति, चिकित्सा विश्वविद्यालय, कोलकाता

चेयरमैन, नेशनल इन्स्टीच्यूट आफ फार्मास्यूटिकल ऐजुकेशन एण्ड रिसर्च, कोलकाता

विशिष्ट अतिथि

प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा

आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय

गोरखपुर

डॉ. ओमजी उपाध्याय

सदस्य सचिव

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्

नई दिल्ली

कार्यक्रम में आप सादर आमंत्रित हैं।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)-273014

www.mpm.ac.in mpmpg5@gmail.com

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)

के

कला संकाय

(राजनीतिविज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र एवं प्राचीन इतिहास विभाग)

द्वारा आयोजित

'महाकुम्भ २०२५: परम्पराः, अनुष्ठानानि च महत्त्वं च'

'महाकुम्भ 2025 परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व'

विषयक

द्वि-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

फाल्गुन कृष्ण नवमी एवं दशमी, कलियुगाब्द 5126; तदनुसार 22 एवं 23 फरवरी, 2025 ई.

उद्घाटन समारोह

22 फरवरी, 2025 : प्रातः 11.00–12.30 बजे

मंचासीन अतिथि

मुख्य अतिथि	:	आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण महन्त, सिद्धपीठ श्रीहनुमन्निवास धाम अयोध्या, उत्तर प्रदेश
विशिष्ट अतिथि	:	प्रो. के. रामचन्द्र रेड्डी आचार्य, रसशास्त्र विभाग, आयुर्वेद संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश
विशिष्ट अतिथि	:	डॉ. सुबोध कुमार शुक्ल आचार्य, संस्कृत विभाग, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल
स्वागत,प्रस्ताविकी एवं आभार	:	डॉ. प्रदीप कुमार राव प्राचार्य/अध्यक्ष, आयोजन समिति महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
संचालन	:	श्री हरिकेश यादव संयोजक/आयोजन सचिव, अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

सर्वसिद्धिप्रदः कुम्भः

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)

के

कला संकाय

(राजनीतिविज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र एवं प्राचीन इतिहास विभाग)

द्वारा आयोजित

सर्वसिद्धिप्रदः कुम्भः

'महाकुम्भ २०२५: परम्पराः, अनुष्ठानानि च महत्त्वं च'

'महाकुम्भ 2025 परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व'

विषयक

द्वि-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

फाल्गुन कृष्ण नवमी एवं दशमी, कलियुगाब्द 5126; तदनुसार 22 एवं 23 फरवरी, 2025 ई.

उद्घाटन समारोह

22 फरवरी, 2025 : प्रातः 11.00–12.30 बजे

क्षण-अनुक्षण

मंच आमंत्रण, पुष्पांजलि, दीप प्रज्ज्वलन एवं स्वस्तिवाचन	: 11:00
सरस्वती वन्दना	: 11:00 – 11:02
अतिथि परिचय एवं स्वागत	: 11:02 – 11:06
स्मृति चिन्ह भेंटकर अतिथि का सम्मान (प्राचार्य द्वारा)	: 11:06 – 11:07
स्वागत, प्रस्ताविकी एवं आभार (प्राचार्य द्वारा)	: 11:07 – 11:11
पुस्तक विमोचन – महाकुंभ : सनातन परंपरा का महापर्व	: 11:11 – 11:12
एकल गीत (निर्माणों के पावन युग में...)	: 11:12 – 11:14
उद्बोधन – विशिष्ट अतिथि (डॉ. सुबोध कुमार शुक्ल)	: 11:14 – 11:34
उद्बोधन – विशिष्ट अतिथि (प्रो. के रामचन्द्र रेड्डी)	: 11:34 – 11:54
संकल्प गीत (शत् शत् नमन भरत भूमि को...)	: 11:54 – 11:56
मुख्य अतिथि उद्बोधन	: 11:56 – 12:27
वन्देमातरम्	: 12:27 – 12:30

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित 2005 ई.

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)

के

कला संकाय

(राजनीतिविज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र एवं प्राचीन इतिहास विभाग)

द्वारा आयोजित

सर्वसिद्धिप्रदः कुम्भः

'महाकुम्भ २०२५: परम्पराः, अनुष्ठानानि च महत्त्वं च'

'महाकुम्भ 2025 परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व'

विषयक

द्वि-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

फाल्गुन कृष्ण नवमी एवं दशमी, कलियुगाब्द 5126; तदनुसार 22 एवं 23 फरवरी, 2025 ई.

प्रथम तकनीकी सत्र

22 फरवरी, 2025 : प्रातः 01.45–03.30 बजे

मंचासीन अतिथि

अध्यक्ष	:	प्रो. शिवशरण दास पूर्व आचार्य, रसायनशास्त्र विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
मुख्य वक्ता	:	डॉ. रणविजय सिंह पूर्व महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर, उत्तर प्रदेश
विशिष्ट वक्ता	:	प्रो. के रामचन्द्र रेड्डी आचार्य, रसशास्त्र विभाग, आयुर्वेद संकाय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश
विशिष्ट वक्ता	:	श्री अश्विनी कुमार राय प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता गोरखपुर, उत्तर प्रदेश
प्रतिवेदक	:	डॉ. आरती सिंह अध्यक्ष, हिन्दी विभाग महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
संचालन	:	श्री अनूप कुमार पाण्डेय अध्यक्ष, इतिहास विभाग महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)

के

कला संकाय

(राजनीतिविज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र एवं प्राचीन इतिहास विभाग)

द्वारा आयोजित

'महाकुम्भ २०२५: परम्पराः, अनुष्ठानानि च महत्त्वं च'

'महाकुम्भ 2025 परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व'

विषयक

द्वि-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

सर्वसिद्धिप्रदः कुम्भः

फाल्गुन कृष्ण नवमी एवं दशमी, कलियुगाब्द 5126; तद्नुसार 22 एवं 23 फरवरी, 2025 ई.

प्रथम तकनीकी सत्र

22 फरवरी, 2025 : प्रातः 01.45–03.30 बजे

क्षण-अनुक्षण

मंच आमंत्रण	: 01:45
अतिथि परिचय एवं स्वागत	: 01:45 – 01:48
स्मृति चिन्ह भेंटकर अतिथि का सम्मान	: 01:48 – 01:49
उद्बोधन – विशिष्ट वक्ता *(श्री अश्विनी कुमार राय)*	: 01:49 – 02:04
उद्बोधन – विशिष्ट वक्ता *(प्रो. के. रामचन्द्र रेड्डी)*	: 02:04 – 02:19
शोध पत्र वाचन	: 02:19 – 02:29
उद्बोधन (मुख्य वक्ता)	: 02:29 – 02:54
अध्यक्षीय उद्बोधन	: 02:54 – 03:24
सत्र प्रतिवेदन एवं आभार ज्ञापन	: 03:24 – 03:30

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)

के

कला संकाय

(राजनीतिविज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र एवं प्राचीन इतिहास विभाग)

द्वारा आयोजित

सर्वसिद्धिप्रदः कुम्भः

'महाकुम्भ २०२५: परम्पराः, अनुष्ठानानि च महत्त्वं च'

'महाकुम्भ 2025 परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व'

विषयक

द्वि-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

फाल्गुन कृष्ण नवमी एवं दशमी, कलियुगाब्द 5126; तदनुसार 22 एवं 23 फरवरी, 2025 ई.

द्वितीय तकनीकी सत्र

23 फरवरी, 2025 : प्रातः 10.30–11.25 बजे

मंचासीन अतिथि

अध्यक्ष	:	प्रो. विपुला दुबे पूर्व अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
मुख्य वक्ता	:	प्रो. आनन्द शंकर सिंह प्राचार्य, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
विशिष्ट वक्ता	:	प्रो. बृजेश कुमार पाण्डेय प्राचार्य, रामजी सहाय स्नतकोत्तर महाविद्यालय देवरिया, उत्तर प्रदेश
विशिष्ट वक्ता	:	डॉ. प्रांज्ञेश मिश्र अध्यक्ष, दर्शन विभाग श्री गोरखनाथ संस्कृत महाविद्यालय, गोरखपुर
प्रतिवेदक	:	डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
संचालन	:	डॉ. अवन्तिका पाठक सहायक आचार्य, गृहविज्ञान विभाग महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित 2005 ई.

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)

के

कला संकाय

(राजनीतिविज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र एवं प्राचीन इतिहास विभाग)

द्वारा आयोजित

सर्वसिद्धिप्रदः कुम्भः

'महाकुम्भ २०२५: परम्पराः, अनुष्ठानानि च महत्त्वं च'

'महाकुम्भ 2025 परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व'

विषयक

द्वि-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

फाल्गुन कृष्ण नवमी एवं दशमी, कलियुगाब्द 5126; तद्नुसार 22 एवं 23 फरवरी, 2025 ई.

द्वितीय तकनीकी सत्र

23 फरवरी, 2025 : प्रातः 10.30–11.25 बजे

क्षण-अनुक्षण

मंच आमंत्रण		: 10:30
अतिथि परिचय एवं स्वागत		: 10:30 – 10:32
स्मृति चिन्ह भेंटकर अतिथि का सम्मान	*(प्राचार्य द्वारा)*	: 10:32 – 10:35
उद्बोधन – विशिष्ट वक्ता	*(डॉ. प्रांजेश मिश्र)*	: 10:35 – 10:40
उद्बोधन – विशिष्ट वक्ता	*(प्रो. बृजेश कुमार पाण्डेय)*	: 10:40 – 10:45
उद्बोधन (मुख्य वक्ता)		: 10:45 – 11:05
अध्यक्षीय उद्बोधन		: 11:05 – 11:25

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)

के

कला संकाय

(राजनीतिविज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र एवं प्राचीन इतिहास विभाग)

द्वारा आयोजित

'महाकुम्भ २०२५: परम्पराः, अनुष्ठानानि च महत्त्वं च'

'महाकुम्भ 2025 परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व'

विषयक

द्वि-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

फाल्गुन कृष्ण नवमी एवं दशमी, कलियुगाब्द 5126; तदनुसार 22 एवं 23 फरवरी, 2025 ई.

समापन समारोह

23 फरवरी, 2025 : प्रातः 12.00–01.30 बजे

मंचासीन अतिथि

मुख्य अतिथि	:	डॉ. भबातोष विश्वास पूर्व कुलपति, चिकित्सा, विश्वविद्यालय, कोलकाता चेयरमैन, नेशनल इन्स्टीच्यूट ऑफ फार्मासूटिकल ऐजुकेशन एण्ड रिसर्च, कोलकाता
विशिष्ट अतिथि	:	प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
विशिष्ट अतिथि	:	डॉ. ओमजी उपाध्याय सदस्य सचिव, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
प्राचार्य	:	डॉ. प्रदीप कुमार राव प्राचार्य/अध्यक्ष, आयोजन समिति महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
प्रतिवेदक	:	डॉ. सुबोध कुमार मिश्र सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
संचालन	:	श्री रमाकान्त दूबे सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

सर्वसिद्धिप्रदः कुम्भः

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.

मो. 7897475917, 9794299451

Website : www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)

के

कला संकाय

(राजनीतिविज्ञान, इतिहास, समाजशास्त्र एवं प्राचीन इतिहास विभाग)

द्वारा आयोजित

सर्वसिद्धिप्रदः कुम्भः

'महाकुम्भ २०२५: परम्पराः, अनुष्ठानानि च महत्त्वं च'

'महाकुम्भ 2025 परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व'

विषयक

द्वि-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

फाल्गुन कृष्ण नवमी एवं दशमी, कलियुगाब्द 5126; तद्नुसार 22 एवं 23 फरवरी, 2025 ई.

समापन समारोह

23 फरवरी, 2025 : प्रातः 12.00–01.30 बजे

क्षण-अनुक्षण

मंच आमंत्रण, पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्ज्वलन	:	12:00
सरस्वती वन्दना	:	12:00 – 12:02
अतिथि परिचय एवं स्वागत	:	12:02 – 12:06
स्मृति चिन्ह भेंटकर अतिथि का सम्मान (प्राचार्य द्वारा)	:	12:06 – 12:09
एकल गीत संकल्प गीत (निर्माणों के पावन युग में...)	:	12:09 – 12:11
संगोष्ठी प्रतिवेदन	:	12:11 – 12:16
उद्बोधन – विशिष्ट अतिथि (डॉ. ओमजी उपाध्याय)	:	12:16 – 12:36
उद्बोधन – विशिष्ट अतिथि (प्रो हर्ष कुमार सिन्हा)	:	12:36 – 12:56
संकल्प गीत (शत् शत् नमन भरत भूमि को...)	:	12:56 – 12:58
उद्बोधन, मुख्य अतिथि	:	12:58 – 01:23
आभार ज्ञापन	:	01:23 – 01:28
वन्देमातरम्	:	01:28 – 01:30

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में संगोष्ठी का प्रस्तावकी प्रस्तुत करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा संपादित पुस्तक सनातन परंपरा का महापर्व महाकुंभ का विमोचन करते मुख्य अतिथि आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण, विशिष्ट अतिथि प्रो. के. रामचन्द्र रेड्डी तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. सुबोध कुमार शुक्ल

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मंचस्थ अतिथिगण

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि प्रो. के. रामचन्द्र रेड्डी को स्मृति चिन्ह् भेंट करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण जी महाराज को स्मृति चिन्ह् भेंट करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम तकनीकि सत्र में पी.पी.टी. पर प्रस्तुतिकरण देते हुए विशिष्ट वक्ता प्रो. के. रामचन्द्र रेड्डी

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम तकनीकि सत्र में उद्बोधन प्रस्तुत करते सत्र के अध्यक्ष प्रो. शिवशरण दास

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम तकनीकि सत्र में उद्बोधन प्रस्तुत करते विशिष्ट वक्ता श्री अश्वनी कुमार राय

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम तकनीकि सत्र में मंचस्थ अतिथिगण

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम तकनीकि सत्र में उद्बोधन प्रस्तुत करते मुख्य वक्ता श्री रणविजय सिंह

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय तकनीकि सत्र में मंचस्थ अतिथिगण

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय तकनीकि सत्र में उद्बोधन प्रस्तुत करते विशिष्ट वक्ता डॉ. प्रांज्ञेश मिश्र

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय तकनीकि सत्र में सत्र की अध्यक्ष प्रो. विपुला दुबे को स्मृति चिन्ह् भेंट करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय तकनीकि सत्र में उद्बोधन प्रस्तुत करतीं सत्र अध्यक्ष प्रो. विपुला दुबे

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय तकनीकि सत्र में विशिष्ट वक्ता डॉ. प्रांज्ञेश मिश्र को स्मृति चिन्ह् भेंट करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह को संबोधित करते विशिष्ट अतिथि डॉ. ओमजी उपाध्याय

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. भबातोष विश्वास को महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकें एवं स्मृति चिन्ह् भेंट करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह को संबोधित करते विशिष्ट अतिथि प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि डॉ. ओमजी उपाध्याय को महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकें एवं स्मृति चिन्ह् भेंट करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में उद्बोधन प्रस्तुत करते मुख्य अतिथि डॉ. भबातोष विश्वास

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में मंचस्थ अतिथिगण

महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित द्वि–दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में
विशिष्ट अतिथि प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा को महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकें एवं स्मृति चिन्ह भेंट करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

महाकुंभ में आस्था का हुआ भरपूर सम्मान, आर्थिकी को भी मिली गति

एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन तकनीकी सत्र में वक्ताओं ने कई आयामों पर की विशद चर्चा

संवाददाता

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के कला संकाय के तत्वावधान में 'महाकुंभ 2025 रू परम्परा, अनुष्ठान और महत्ता' विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन रविवार को समापन सत्र से पहले आयोजित तकनीकी सत्र में महाकुंभ के आध्यात्मिक, सामाजिक और आर्थिक आयामों पर विशद चर्चा हुई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में प्रदेश सरकार की तरफ से आस्था का भरपूर सम्मान तो हुआ ही, इस आयोजन से आर्थिकी को भी खूब गति मिली। तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज प्रयागराज के प्राचार्य प्रो. आनंद शंकर सिंह ने ऑनलाइन जुड़कर संगोष्ठी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि करते हुए कहा कि महाकुंभ पर्व भारतवर्ष का एक ऐसा सांस्कृतिक आयोजन है, जिसमें नए केवल भारतवर्ष की जनता बल्कि पूरे विश्व के कोने–कोने से लोग जुड़ते हैं तथा अपने आप को ईश्वर के प्रति समर्पित कर देते हैं। महाकुंभ भारत की अनन्त आध्यात्मिकता का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ मेले में स्नान से मोक्ष की प्राप्ति होती है, ऐसी मान्यता हिंदू धर्म में है, इसी वजह से महाकुंभ मेले का महत्व काफी बड़ा है। वैदिक ऋषि कहता है कुंभ मानव कल्याण एवं ज्ञान कुंभ है। प्रो. सिंह ने महाकुंभ की पौराणिकता पर विस्तार से चर्चा करते हुए माघ मास, कल्पवास एवं मत्स्य पुराण में वर्णित महाकुंभ के महात्म्य पर प्रकाश डाला। विशिष्ट वक्ता रामजी सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवरिया के प्राचार्य प्रो. बृजेश कुमार पाण्डेय ने महाकुंभ के आर्थिक पक्ष का विश्लेषण करते हुए कहा कि विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन महाकुंभ 2025 ने व्यापार और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अनुसार, इस बार का महाकुंभ भारत के सबसे बड़े आर्थिक आयोजनों में से एक बन गया है। यह आयोजन आस्था और अर्थव्यवस्था के गहरे संबंध को दर्शाता है। विशिष्ट वक्ता श्री गोरखनाथ संस्कृत महाविद्यालय गोरखपुर के दर्शन विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रांगेश मिश्र ने कहा कि राष्ट्रजीवन में बहुत कुछ करणीय है और बहुत कुछ अकरणीय। यहां धर्म, दर्शन, संस्कृति, परंपरा और आस्था राष्ट्रजीवन के नियामक तत्व हैं। ये पांच तत्व राष्ट्रजीवन को ध्येय और शक्ति देते हैं। महाकुंभ मेला इन्हीं पांचों तत्वों की अभिव्यक्ति है। लाखों श्रद्धालुओं का बिना किसी निमंत्रण प्रयाग पहुंचना आश्चर्य पैदा करता है। करोड़ों लोग आस्थावश आए हैं। तमाम जिज्ञासावश आए हैं और लाखों आश्चर्यवश। उन्होंने कहा कि कुंभ शीर्ष आस्था और सांस्कृतिक प्रतीक है। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. विपुला दूबे ने कहा कि आधुनिकता की उन्मत्त गति की विशेषता वाली दुनिया में, कुछ ही आयोजन ऐसे होते हैं जो लाखों लोगों को अपने से बड़े उद्देश्य की खोज में एकजुट करने की क्षमता रखते हैं। महाकुंभ मेला इसका अप्रतिम उदाहरण है। महाकुंभ मेला, दुनिया भर में सबसे बड़ा शांतिपूर्ण सम्मेलन है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ 2025 महज एक धार्मिक आयोजन नहीं है। यह भारत का सांस्कृतिक दूत है। इस आयोजन को ब्रांड यूपी विजन के साथ जोड़कर, उत्तर प्रदेश सरकार विदेशी निवेश को आकर्षित करने, सांस्कृतिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देने और स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अपनी विरासत का लाभ उठा रही है।

एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ, महंत आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण ने प्रकट किए विचार

अपूर्व व विलक्षण है प्रयागराज महाकुंभ का आयोजन

सराहना

राजनीतिक लाभ को सनातन विरोधी बने कुछ दलों के नेता

कुंभ अनेकता में एकता का एक प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रम

'गंगा प्राकृत जल नहीं, यह ब्रह्म द्रव'

महाकुंभ में आर्थिकी को भी मिली गति

❖ एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन तकनीकी सत्र में वक्ताओं ने कई आयामों पर की चर्चा

महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन : डॉ. भबातोष

» एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

महाकुंभ में आस्था का हुआ भरपूर सम्मान

गोरखपुर(एसएनबी)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के कला संकाय के तत्वावधान में 'महाकुंभ 2025: परम्परा, अनुष्ठान और महत्ता' विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन रविवार को समापन सत्र से पहले आयोजित तकनीकी सत्र में महाकुंभ के आध्यात्मिक, सामाजिक और आर्थिक आयामों पर विशद चर्चा हुई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में प्रदेश सरकार की तरफ से आस्था का भरपूर सम्मान तो हुआ ही, इस आयोजन से आर्थिकी को भी खूब गति मिली।

■ एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन तकनीकी सत्र में वक्ताओं ने कई आयामों पर की विशद चर्चा

तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज प्रयागराज के प्राचार्य प्रो. आनंद शंकर सिंह ने ऑनलाइन जुड़कर संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि कि महाकुंभ पर्व भारतवर्ष का एक ऐसा सांस्तिक आयोजन है, जिसमें नए केवल भारतवर्ष की जनता बल्कि पूरे विश्व के कोने-कोने से लोग जुड़ते हैं। अपने आप को ईश्वर के प्रति समर्पित कर देते हैं। महाकुंभ भारत की अनंत आध्यात्मिकता का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ मेले में स्नान से मोक्ष की प्राप्ति होती है, ऐसी मान्यता हिंदू धर्म में है। इसी वजह से महाकुंभ मेले का महत्व काफी बड़ा है। वैदिक ऋषि कहता है कुंभ मानव कल्याण एवं ज्ञान कुंभ है। प्रो. सिंह ने महाकुंभ की पौराणिकता पर विस्तार से चर्चा करते हुए माघ मास, कल्पवास एवं मत्स्य पुराण में वर्णित महाकुंभ के महात्म्य पर प्रकाश डाला। विशिष्ट वक्ता रामजी सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवरिया के प्राचार्य प्रो. बृजेश कुमार पांडेय ने महाकुंभ के आर्थिक पक्ष का विश्लेषण करते हुए कहा कि विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजन महाकुंभ 2025 ने व्यापार और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अनुसार, इस बार का महाकुंभ भारत के सबसे बड़े आर्थिक आयोजनों में से एक बन गया है। यह आयोजन आस्था और अर्थव्यवस्था के गहरे संबंध को दर्शाता है। विशिष्ट वक्ता श्री गोरखनाथ संस्कृत महाविद्यालय गोरखपुर के दर्शन विभाग के अध्यक्ष डॉ.प्रांगेश मिश्र ने कहा कि राष्ट्रजीवन में बहुत कुछ करणीय है और बहुत कुछ अकरणीय। यहां धर्म, दर्शन, संस्कृति, परंपरा और आस्था राष्ट्रजीवन के नियामक तत्व हैं। ये पांच तत्व राष्ट्रजीवन को ध्येय और शक्ति देते हैं। महाकुंभ मेला इन्हीं पांचों तत्वों की अभिव्यक्ति है। लाखों श्रद्धालुओं का बिना किसी निमंत्रण प्रयाग पहुंचना आश्चर्य पैदा करता है।

अपूर्व और विलक्षण है प्रयागराज महाकुंभ का आयोजन - आचार्य मिथिलेश नंदिनी

एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारं, भहम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे पास धर्म निष्ठा से संपन्न योगी जैसे नायक हैं

आध्यात्मिक और धार्मिक वैभव का वैश्विक अग्रदूत है उत्तर प्रदेश

शिव की तरह महाकुंभ से निकले गरल को आत्मसात किया सीएम योगी ने

महाकुंभ में आस्था का हुआ सम्मान, आर्थिकी को भी मिली गति

» एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन तकनीकी सत्र में वक्ताओं ने कई आयामों पर की चर्चा

सीएम योगी के सुव्यवस्थित प्रबंधन का सुफल है महाकुंभ

❖ एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन तकनीकी सत्र में पढ़े गए 18 शोधपत्र

महाकुंभ में आस्था का हुआ भरपूर सम्मान

एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन तकनीकी सत्र में वक्ताओं ने कई आयामों पर की विशद चर्चा

तपस्वी नेतृत्व से महाकुंभ बना विश्व का सर्वाधिक विशाल आयोजन

एमपी कालेज में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न परम्परा, अनुष्ठान व महता विषय पर वक्ताओं ने रखे विचार

महाकुंभ से दुनिया में बजा यूपी का डंका : डा. प्रदीप राव

अपूर्व और विलक्षण है प्रयागराज महाकुंभ का आयोजन : आचार्य मिथिलेशनंदिनी

एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ
हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे पास धर्म निष्ठा से संपन्न योगी जैसे नायक

अपूर्व और विलक्षण है प्रयागराज महाकुंभ का आयोजन : आचार्य मिथिलेशनंदिनी

एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ
हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे पास धर्म निष्ठा से संपन्न योगी जैसे नायक

प्रयागराज महाकुंभ का आयोजन विलक्षण : आचार्य मिथिलेशनंदिनी

एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

अपूर्व और विलक्षण है प्रयागराज महाकुंभ का आयोजनः आचार्य मिथिलेशनंदिनी

'एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ'

'हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे पास धर्म निष्ठा से संपन्न योगी जैसे नायक'

वक्ताओं ने महाकुंभ को सीएम योगी के सुव्यवस्थित प्रबंधन का सुफल बताया

गोरखपुर (एसएनबी)। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के कला संकाय के तत्वावधान में 'महाकुंभ 2025 :परम्परा, अनुष्ठान और महत्ता' विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन उद्घाटन सत्र के बाद आयोजित तकनीकी सत्र में शनिवार को वक्ताओं ने प्रयागराज महाकुंभ 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुव्यवस्थित प्रबंधन का सुफल बताया। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पहले दिन यूएसए, नेपाल, इजरायल और भूटान से कुल पांच वक्ता ऑनलाइन जुड़े। कुल 70 प्रतिभागियों वाली इस संगोष्ठी में पहले दिन महाकुंभ के विविध आयामों पर 18 शोधपत्र पढ़े गए।

- एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी
- संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में पढ़े गए 18 शोधपत्र
- यूएसए, नेपाल, इजरायल और भूटान से पांच वक्ता ऑनलाइन जुड़े

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में साहित्यकार एवं रेलवे के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी रणविजय सिंह ने कहा कि महाकुंभ अमृतत्व की अवधारणा का प्रत्यक्ष स्वरूप है। मृत्यु ,अमरतत्व और मोक्ष पर दुनिया की तमाम सभ्यताओं में सदैव संवाद होता रहा है। सनातन धर्म में अमरतत्व और मोक्ष के लिए पाप मुक्ति का आधार है महाकुंभ। योगी जी का प्रबंधन अकल्पनीय है।

प्रो. शिवशरण दास ने कहा कि महाकुंभ स्वतंत्र भारत के इतिहास का कालजयी अध्याय है। यह विज्ञान और आस्था का भी संगम है। महाकुंभ आस्था का आकर्षण है। प्रयागराज महाकुंभ सुव्यवस्था नियोजन एवं क्राउड मैनेजमेंट की मिशाल है।

महाकुंभ में प्रवास करने वाले अश्वनी कुमार ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि महाकुंभ में जाति, वर्ण और वर्ग के विभेद संगम की पावन जलधारा में विलुप्त हो गए हैं। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आयुर्वेद संकाय के आचार्य प्रो. के. रामचंद्र रेड्डी ने की।

सीएम योगी के सुव्यवस्थित प्रबंधन का सुफल है प्रयागराज महाकुंभ

गोरखपुर, 22 फरवरी। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के कला संकाय के तत्वावधान में 'महाकुंभ 2025 रू परम्परा, अनुष्ठान और महत्ता' विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन उद्घाटन सत्र के बाद आयोजित तकनीकी सत्र में वक्ताओं ने प्रयागराज महाकुंभ 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुव्यवस्थित प्रबंधन का सुफल बताया। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पहले दिन यूएसए, नेपाल, इजरायल और भूटान से कुल पांच वक्ता ऑनलाइन जुड़े। कुल 70 प्रतिभागियों वाली इस संगोष्ठी में पहले दिन महाकुंभ के विविध आयामों पर 18 शोधपत्र पढ़े गए। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में साहित्यकार एवं रेलवे के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी रणविजय सिंह ने कहा कि महाकुंभ अमृतत्व की अवधारणा का प्रत्यक्ष स्वरूप है। मृत्यु ,अमरतत्व और मोक्ष पर दुनिया की तमाम सभ्यताओं में सदैव संवाद होता रहा है। मनुष्य सदा अमर होने का आकांक्षी रहा है। सनातन धर्म मे अमरतत्व और मोक्ष के लिए पाप मुक्ति का आधार है महाकुंभ। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रयागराज महाकुंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल प्रबंधन के मंथन से निकली सुव्यवस्था का प्रतीक बना है। योगी जी का प्रबंधन अकल्पनीय है। प्रो. शिवशरण दास ने कहा कि महाकुंभ स्वतंत्र भारत के इतिहास का कालजयी अध्याय है। यह विज्ञान और आस्था का भी संगम है। महाकुंभ आस्था का आकर्षण है। वहां का अहसास अद्‌भुत है। प्रयागराज महाकुंभ सुव्यवस्था नियोजन एवं क्राउड मैनेजमेंट की मिशाल है। महाकुंभ में प्रवास करने वाले अश्वनी कुमार ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि प्रयागराज महाकुंभ की दिव्यता और भव्यता को शब्दों में वर्णित करना कठिन है। महाकुंभ में जाति, वर्ण और वर्ग के विभेद संगम की पावन जलधारा में विलुप्त हो गए हैं। यह अस्तित्व के सनातन प्रवाह का महोत्सव है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ से हमें आत्मावलोकन का अवसर मिला है कि हम सब एक हैं। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आयुर्वेद संकाय के आचार्य प्रो. के. रामचंद्र रेड्डी ने की।

राजनीतिक लाभ को सनातन विरोधी बन गए हैं कुछ दलों के नेता : मिथिलेशनंदिनी

गोरखपुर (एसएनबी)। महाकुंभ को सनातन की अनादिकाल से चली आ रही परंपरा है। कुछ राजनीतिक दलों के नेता अपने राजनीतिक लाभ के लिए अनादिकाल से जारी इस परंपरा के विरोधी बन गए हैं। सनातन का तिरस्कार राष्ट्र और महाकुंभ में आए 60 करोड़ लोगों की भावना का तिरस्कार है। ऐसा करने वालों की राजनीति के ज्यादा दिन शेष नहीं है। राजनीतिक कारणों से महाकुंभ का तिरस्कार गहरी कुंठा का प्रतीक है।

- यह विरोध महाकुंभ के साथ 60 करोड़ लोगों की भावनाओं का तिरस्कार

ये बातें श्रीहनुमन्निवास धाम अयोध्या के महंत आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण ने कही। वे शनिवार को यहां महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में महाकुंभ 2025 पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण महाकुंभ का तिरस्कार करने वालों के लिए आत्म समीक्षा का समय है। ऐसे लोग राजनीति पर, अपनी सीटों पर विमर्श करें तो बेहतर होगा, महाकुंभ पर विमर्श उनके सामर्थ्य का विषय नहीं है।

उन्होंने कहा कि ऐसे राजनीतिक यदि जनमत के निर्णय को मानते हैं तो उन्हें महाकुंभ के रूप में जनमत का सम्मान करना चाहिए। महाकुंभ में आने वाले व्यक्ति को किसी ने प्रेरित नहीं किया, बल्कि वह स्वतः स्फूर्त स्नान करने के लिए आए। सरकार ने उनके लिए बेहतर व्यवस्था की। इसके लिए सरकार का अभिनंदन किया जाना चाहिए।

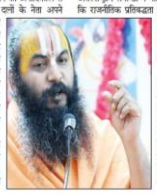

राजनीतिक लाभ के लिए सनातन विरोधी बने कुछ दलों के नेता

सिद्धपीठ श्रीहनुमन्निवास धाम अयोध्या के महंत आचार्य मिथिलेशनंदिनी शरण ने संगोष्ठी शुभारंभ सत्र को किया संबोधित

अपूर्व और विलक्षण है प्रयागराज महाकुंभ का आयोजन : आचार्य मिथिलेशनंदिनी

एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

तपस्वी नेतृत्व ने महाकुंभ को बनाया दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन: डॉ. भबातोष विश्वास

'एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन'

'अनादिकाल से चली आ रही सनातन परंपरा के वैभव का चरमोत्कर्ष है प्रयागराज महाकुंभ'

अपूर्व और विलक्षण है प्रयागराज महाकुंभ : आचार्य मिथिलेशनंदिनी

- एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ

तपस्वी नेतृत्व ने महाकुंभ को बनाया सबसे बड़ा आयोजन

चिकित्सा विवि कोलकाता के पूर्व कुलपति डॉ. भवातोष विश्वास बोले-युगों-युगों तक याद किया जाएगा यह महाकुंभ

तपस्वी नेतृत्व ने महाकुंभ को बनाया दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन : डॉ. भवातोष

भारत का चिरंतन विचार है दिव्य–भव्य महाकुंभ : मिथिलेश नंदिनी

महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ कार्यक्रम में बोले आचार्य, महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में हो रहा आयोजन

सीएम योगी के सुव्यवस्थित प्रबंधन का सुफल है प्रयागराज महाकुंभ'

'एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन तकनीकी सत्र में पढ़े गए 18 शोधपत्र'

संवाददाता

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के कला संकाय के तत्वावधान में 'महाकुंभ 2025 रू परम्परा, अनुष्ठान और महत्ता' विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन उद्घाटन सत्र के बाद आयोजित तकनीकी सत्र में वक्ताओं ने प्रयागराज महाकुंभ 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुव्यवस्थित प्रबंधन का सुफल बताया। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पहले दिन यूएसए, नेपाल, इजरायल और भूटान से कुल पांच वक्ता ऑनलाइन जुड़े। कुल 70 प्रतिभागियों वाली इस संगोष्ठी में पहले दिन महाकुंभ के विविध आयामों पर 18 शोधपत्र पढ़े गए। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में साहित्यकार एवं रेलवे के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी रणविजय सिंह ने कहा कि महाकुंभ अमृतत्व की अवधारणा का प्रत्यक्ष स्वरूप है। मृत्यु, अमरतत्व और मोक्ष पर दुनिया की तमाम सभ्यताओं में सदैव संवाद होता रहा है। मनुष्य सदा अमर होने का आकांक्षी रहा है। सनातन धर्म में अमरतत्व और मोक्ष के लिए पाप मुक्ति का आधार है महाकुंभ। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रयागराज महाकुंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल प्रबंधन के मंथन से निकली सुव्यवस्था का प्रतीक बना है। योगी जी का प्रबंधन अकल्पनीय है। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रो. शिवशरण दास ने कहा कि महाकुंभ स्वतंत्र भारत के इतिहास का कालजयी अध्याय है। यह विज्ञान और आस्था का भी संगम है। महाकुंभ आस्था का आकर्षण है। वहां का अहसास अद्भुत है। प्रयागराज महाकुंभ सुव्यवस्था नियोजन एवं क्राउड मैनेजमेंट की मिशाल है। महाकुंभ में प्रवास करने वाले अश्वनी कुमार ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि प्रयागराज महाकुंभ की दिव्यता और भव्यता को शब्दों में वर्णित करना कठिन है। महाकुंभ में जाति, वर्ण और वर्ग के विभेद संगम की पावन जलधारा में विलुप्त हो गए हैं। यह अस्तित्व के सनातन प्रवाह का महोत्सव है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ से हमें आत्मावलोकन का अवसर मिला है कि हम सब एक हैं।

तपस्वी नेतृत्व ने महाकुंभ को बनाया दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन : डॉ. भवातोष विश्वास

एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

समूचा संसार खुले दिल से कर रहा सीएम योगी की प्रशंसा

अनेकता में एकता का शाश्वत व समेकित जयघोष है महाकुंभ : डॉ. ओमजी उपाध्याय

महाकुंभ मानव इतिहास के सर्वाधिक पुरानी परंपराओं में से एक : प्रो. हर्ष सिन्हा

अदम्य जिजीविषा का जी...

अपूर्व और विलक्षण है महाकुंभ का आयोजन : मिथिलेशनंदिनी

हिन्दुस्तान

एमपीपीजी कॉलेज में 'महाकुंभ 2025:परंपरा, अनुष्टान और महत्ता' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

महाकुंभ को बनाया दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन : डॉ. विश्वास

सराहना

गोरखपुर, निज संवाददाता। चिकित्सा विश्वविद्यालय कोलकाता के पूर्व कुलपति, अपोलो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल कोलकाता के वरिष्ठ कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जन डॉ. भवातोष विश्वास ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तपस्यारत योजनाओं, स्वच्छता, सुरक्षा, तकनीक और सुव्यवस्था के फलस्वरूप प्रयागराज महाकुंभ 2025 को युगों-युगों तक याद किया जाएगा। एक तपस्वी नेतृत्व ने इस महाकुंभ को दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयोजन सिद्ध कर दिया है। दिव्य, नव्य, और भव्य यह महाकुंभ सनातन संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का उत्कृष्ट प्रतीक बन गया है।

डॉ. विश्वास रविवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में 'महाकुंभ 2025 : परम्परा, अनुष्ठान और महत्ता' विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यथार्थ में आधुनिक दौर में अनादिकाल से चली आ रही सनातन परंपरा के वैभव का चरमोत्कर्ष है प्रयागराज महाकुंभ। सनातन धर्म, मनुष्यता का ही पर्याय है और मनुष्यता की विभिन्न धाराओं की एकसूत्रता का केंद्र महाकुंभ है। यहां जाति, वर्ण, वर्ग और धार्मिक उपेक्षाएं संगम की पवित्र जलधारा में बह जाती हैं।

समूचा संसार खुले दिल से कर रहा सीएम योगी की प्रशंसा : डॉ. विश्वास ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में पूरी दुनिया ने देखा कि एक संवेदनशील और सक्षम सरकार जनभागीदारी और जनविश्वास के साथ बड़ी से बड़ी चुनौती का सामना किस तरह कर सकती है। देश-विदेश, जहां कहीं से कोई प्रयागराज महाकुंभ में आया, वह यहां की शानदार व्यवस्था का कायल हुए बिना नहीं रह सका।

महाकुंभ मानव इतिहास के सर्वाधिक पुरानी परंपराओं में से एक : प्रो. हर्ष सिन्हा : समारोह के विशिष्ट अतिथि गोरखपुर विश्वविद्यालय में रक्षा अध्ययन विभाग के आचार्य प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने कहा कि महाकुंभ पर्व मानव इतिहास के सर्वाधिक पुरानी परंपराओं में से एक है। किसी बहती नदी और जीवंत संस्कृति सा यह भी प्रवाहमान और जागृत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आस्था के सम्मान के साथ अर्थव्यवस्था में इसके योगदान को समुचित महत्व दिया है। इससे राज्य सरकार को 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त होने का अनुमान है। वित्तीय लेनदेन करीब तीन लाख करोड़ से अधिक होने की संभावना है।

महाकुंभ 2025 : परंपरा, अनुष्ठान एवं महत्व विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन पर मंचासीन अतिथि। • हिन्दुस्तान

योगी ने नई पीढ़ी का महाकुंभ की दिव्यता से कराया परिचय

डॉ. विश्वास ने कहा कि सीएम योगी का कुशल प्रबंधन ही है कि नई पीढ़ी भी महाकुंभ की दिव्यता और पवित्रता से परिचित हुई है। दुनिया भर के लोग यहां आने को आतुर दिखे। महाशिवरात्रि के स्नान पर्व से तीन दिन पूर्व ही प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की संख्या 60 करोड़ से अधिक हो चुकी है। इस महाकुंभ से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को करीब तीन लाख करोड़ रुपये का बूस्टर डोज मिलना अनुमानित है। इस महाकुंभ से छोटे बड़े हर किसी को फायदा होगा।

आस्था का हुआ सम्मान आर्थिकी को भी मिली गति

- ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज प्रयागराज के प्राचार्य ने ऑनलाइन संबोधित किया
- संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में वक्ताओं ने कई आयामों पर की विशद चर्चा

गोरखपुर, निज संवाददाता। एमपी पीजी कॉलेज में महाकुंभ पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन तकनीकी सत्र में वक्ताओं ने कई आयामों पर की विशद चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में प्रदेश सरकार की तरफ से आस्था का भरपूर सम्मान तो हुआ ही, इस आयोजन से आर्थिकी को भी खूब गति मिली।

तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के प्राचार्य प्रो. आनंद शंकर सिंह ने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि महाकुंभ भारत की अनन्त आध्यात्मिकता का जीवंत उदाहरण है। विशिष्ट वक्ता रामजी सहाय पीजी कॉलेज, देवरिया के प्राचार्य प्रो. बृजेश कुमार पाण्डेय ने महाकुंभ के आर्थिक पक्ष का विश्लेषण करते हुए बताया कि यह आयोजन आस्था और अर्थव्यवस्था के गहरे संबंध को दर्शाता है। विशिष्ट वक्ता श्री गोरखनाथ संस्कृत महाविद्यालय के दर्शन विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रांगेश मिश्र ने कहा कि कुंभ शीर्ष आस्था और सांस्कृतिक प्रतीक है। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करते हुए डीडीयू के प्राचीन इतिहास विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. विपुला दूबे ने कहा कि महाकुंभ मेला, दुनिया भर में सबसे बड़ा शांतिपूर्ण सम्मेलन है।

महाकुंभ से बजा यूपी का डंका : डॉ. प्रदीप राव

गोरखपुर, निज संवाददाता। आभार ज्ञापित करते हुए प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ की दिव्यता और भव्यता से उत्तर प्रदेश का डंका पूरी दुनिया में बजा है। वैश्विक फलक पर यूपी के हिस्से आई यह ख्याति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समर्पित प्रयासों का प्रतिफल है। 'आस्था को सम्मान और विकास के नित नए प्रतिमान' के सीएम योगी के विजन को देखकर विश्व समुदाय चकित है। उन्होंने महाकुंभ की सनातनी परंपरा और अनुशासन की महत्ता को वैश्विक पटल पर इस तरह प्रतिष्ठित किया है। संगोष्ठी का प्रतिवेदन डॉ. सुबोध मिश्र व संचालन रमाकांत दूबे ने किया।

अनेकता में एकता का शाश्वत व समेकित जयघोष है महाकुंभ : डॉ. ओमजी उपाध्याय विशिष्ट अतिथि भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सदस्य सचिव डॉ. ओमजी उपाध्याय ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' और 'समावेशी भारत' की जीवंत झांकी के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। यूनेस्को द्वारा महाकुंभ मेले को मानव जाति की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता दिए जाने के बाद से यह आयोजन विश्व के लोगों के लिए और आकर्षण का केंद्र बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शिता ने प्रयागराज महाकुंभ को वैश्विक विहंगम तो बनाया ही है, यहां जन, सामाजिक और राष्ट्रीय सरोकार के आयाम भी अद्भुत हैं।

एमपीपी कॉलेज जंगल धूसड़ में संगोष्ठी के समापन अवसर पर उपस्थित लोग।

महाकुंभ 2025 को युगों–युगों तक किया जाएगा याद : डॉ. भवातोष

- एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

प्रयागराज महाकुंभ का आयोजन अपूर्व और विलक्षण –आचार्य मिथिलेशनंदिनी

- एमपीपीजी कॉलेज में महाकुंभ पर दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ